

नीतिसागर

कक्षा –vii

विषय –हिन्दी

पाठ -7

PPT-5 (प्रश्नोत्तर)

CHANGING YOUR TOMORROW

मौखिक कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए

(क) मन कब निर्मल होता है?

(ख) नरक के पंथ कौन-से हैं?

(ग) कौन-से व्यक्ति बड़े होते हैं?

(घ) प्रेम कहाँ से उपजता है?

(ङ) भगवान को भजने से क्या होगा?

उत्तर

क) भगवान का नाम स्मरण करने से मन निर्मल होता है।

(ख) काम, क्रोध, मद, लोभ नरक के पथ हैं।

(ग) गरीब का हित करने वाला व्यक्ति बड़ा होता है।

(घ) प्रेम मनुष्य के मन से उपजता है।

(ङ) भगवान को भजने से सारे दोष दूर हो जाते हैं।

लिखित

- 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए
- (क) मन हमेशा **अनुरागी** होता है।
- (ख) हमेशा "**राम**" का नाम जपना चाहिए।
- (ग) श्रीकृष्ण ने **मित्रता** के लिए सुदामा का कलेवा खाया।
- (घ) प्रेम का संबंध "**मन**"से होता है ।
- (ङ) कबीरदास जी **निर्गुणोपासक** से होता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

- क) 'कृष्ण के रंग में रंगना' का क्या अर्थ है?
- (ख) सज्जन लोगों के क्या लक्षण हैं?
- (ग) क्या सज्जन बनकर जीवन बिताया जा सकता है?
- (घ) कौन मनुष्य को नरक में ले जाता है?
- (ङ) प्रेम पाने के लिए क्या करना पड़ेगा?
-

उत्तर

- 2. (क) कृष्ण के रंग में रंगना का अर्थ- जैसे-जैसे मन भगवान कृष्ण के रंग में डूबता जाता है. वैसे-वैसे इसके सारे दोष दूर हो जाते हैं और यह निर्मल हो जाता है।
- (ख) सज्जन काम, क्रोध, मद, लोभ से परे होते हैं। वे सदैव जनकल्याण के बारे में सोचते हैं। सज्जनों की तरह जीवन बिताया जा सकता है, परंतु यह बहुत कठिन होता है। आज हर तरफ लोभ, लालच, स्वार्थ की लोलुपता है, इससे स्वयं को अलग रख पाना मुश्किल होता है। इन सब विकारों के बाद यदि मनुष्य अपने मन पर नियंत्रण रखे, तो वह सज्जनों की तरह जीवन बिता सकता है।
- (ग) हाँ, सज्जन बनकर जीवन बिताया जा सकता है। हमें किसी प्रकार का लोभ, मद, क्रोध आदिन करके हँसी-खुशी जीवन व्यतीत करना चाहिए।
- (घ) काम, क्रोध, मद तथा लोभ मनुष्य को नरक में ले जाते हैं ।
- (ङ) प्रेम पाने के लिए अपने आपको न्योछावर करना पड़ेगा।

- 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए
- (क) 'जो अमीर-गरीब का भेदभाव नहीं रखता, वही बड़ा व्यक्ति है।' क्या आप इस विचार से सहमत हैं? इस कथन के पक्ष-विपक्ष में अपने विचार लिखिए। (मूल्यपरक प्रश्न)
- (ख) प्रेम की महिमा को बताइए और इससे संबंधित किसी ऐसी घटना के बारे में लिखिए जिससे यह पता चलता हो कि प्रेम से सब कुछ पाया जा सकता है। (मूल्यपरक प्रश्न)

उत्तर

- 3. (क) यह बात बिलकुल सत्य है कि जो व्यक्ति अमीर-गरीब का भेदभाव नहीं रखता, वही बड़ा व्यक्ति है अर्थात् जो व्यक्ति सबको समान दृष्टि से देखता है, जिसके मन में सबके लिए एक जैसा भाव होता है वास्तव में वही बड़ा यानी महान व्यक्ति है। प्राचीन समय में असंख्य महापुरुष हुए, जिन्होंने पथ-प्रदर्शक व समाज-सुधारक के रूप में समाज को एक नई दिशा दी है।
- (ख) प्रेम की महिमा अपरंपार है। इसे केवल महसूस किया जा सकता है। यह मन की सच्ची भावना होती है जो दो हृदयों को एक भाव से जोड़ती है। प्रेम के कई रूप होते हैं; जैसे-वात्सल्य, मित्रता, श्रद्धा (भक्ति) आदि। मीराबाई कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ व समर्पित थीं, तभी तो विष का प्याला पीकर भी वे जीवित रहीं। अपनी भक्ति द्वारा ही उन्होंने मोक्ष पा लिया। ऐसी कई घटनाएँ प्रेम की महिमा को अभिव्यक्त करती हैं।

भाषा ज्ञान

- दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए -
- भगवान -भगवती
- मित्र - मित्र (सहेली)
- बलवान -बलवती
- नायक -नायिका
- गायक -गायिका
- राजा -रानी

निम्न लिखित शब्दों के अर्थ लिखिए -



- जोग –योग्य
- हाट –बाजार
- सीस –सर ,मस्तक
- समुझे-समझना
उपजै-उगना
- परजा –प्रजा

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए

- (क) अनुराग-
- (ख) उज्ज्वल
- (ग) लोभ
- (घ) गरीब
- (ङ) हित
- उत्तर –
- 3. (क) अनुराग - सबके साथ अनुराग (प्रेम) से रहना चाहिए।
- (ख) उज्ज्वल - बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होना चाहिए।
- (ग) लोभ- लोभ सबसे बड़ा शत्रु है।
- (घ) गरीब- गरीब लोगों की मदद करनी चाहिए।
- (ङ) हित- देश का हित सबका हित है।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP